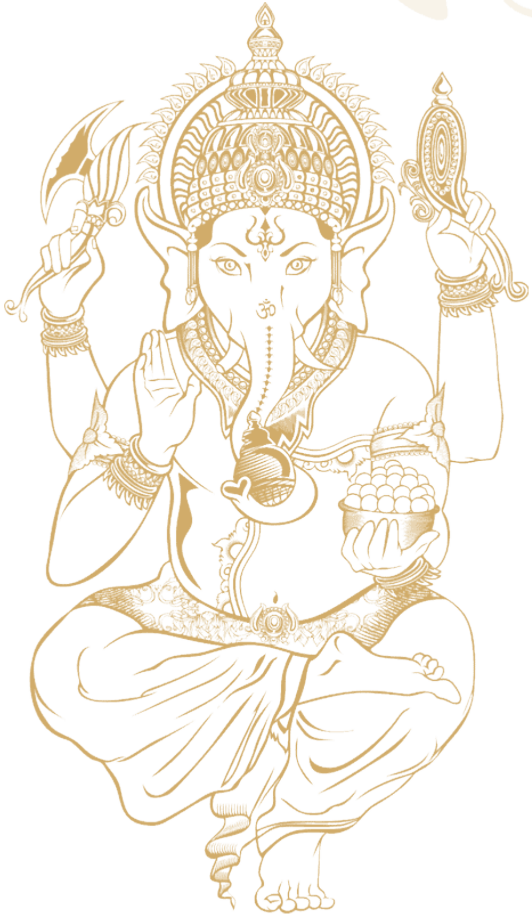

Mr.I

05 Mar 2013

01:35 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120599202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/03/2013**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**13:35:00 घंटे**
इष्ट	17:11:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:13:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:29 घंटे
साम्पातिक काल	00:06:48 घंटे
सूर्योदय	06:42:18 घंटे
सूर्यास्त	18:23:21 घंटे
दिनमान	11:41:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:51:53 कुम्भ
लग्न के अंश	19:42:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:42:20	314:50:38	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	20:51:53	01:00:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	26:26:27	14:07:44	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	00:33:04	00:46:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	19:14:45	01:01:58	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु			वृष	14:08:40	00:06:20	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कुंभ	15:00:45	01:14:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
शनि	व		तुला	17:17:53	00:01:29	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	25:03:24	00:00:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	25:03:24	00:00:39	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मीन	13:06:53	00:03:14	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	09:14:07	00:02:15	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:09:44	00:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	07:48:40	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:42

लग्न-चलित

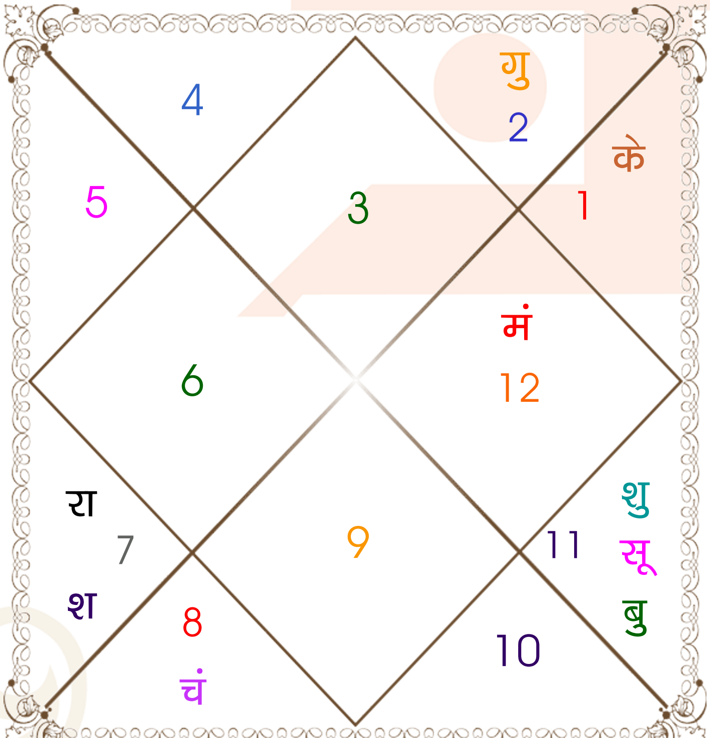

चन्द्र कुंडली

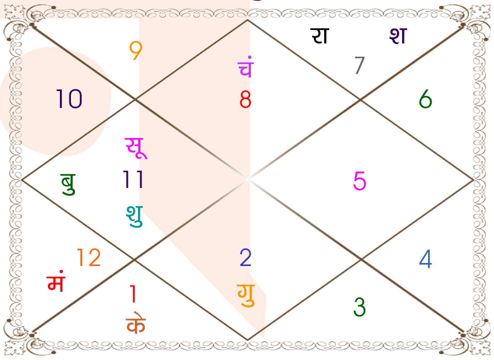

नवमांश कुंडली

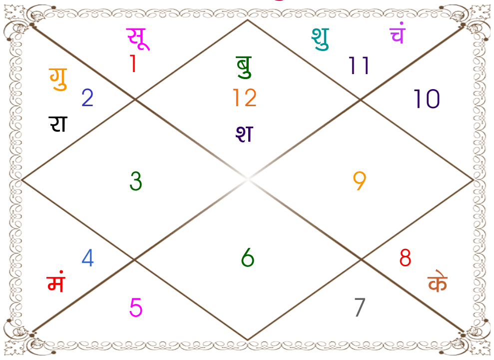

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 6 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/03/2013		18/09/2017		17/09/2024		17/09/2044		18/09/2050	
18/09/2017		17/09/2024		17/09/2044		18/09/2050		17/09/2060	
	00/00/0000	केतु	14/02/2018	शुक्र	18/01/2028	सूर्य	05/01/2045	चंद्र	19/07/2051
	00/00/0000	शुक्र	16/04/2019	सूर्य	17/01/2029	चंद्र	06/07/2045	मंगल	17/02/2052
	00/00/0000	सूर्य	22/08/2019	चंद्र	18/09/2030	मंगल	11/11/2045	राहु	18/08/2053
	00/00/0000	चंद्र	22/03/2020	मंगल	18/11/2031	राहु	06/10/2046	गुरु	18/12/2054
	00/00/0000	मंगल	18/08/2020	राहु	18/11/2034	गुरु	25/07/2047	शनि	18/07/2056
	00/00/0000	राहु	05/09/2021	गुरु	19/07/2037	शनि	06/07/2048	बुध	18/12/2057
	05/03/2013	गुरु	12/08/2022	शनि	17/09/2040	बुध	13/05/2049	केतु	19/07/2058
गुरु	08/01/2015	शनि	21/09/2023	बुध	19/07/2043	केतु	18/09/2049	शुक्र	19/03/2060
शनि	18/09/2017	बुध	17/09/2024	केतु	17/09/2044	शुक्र	18/09/2050	सूर्य	17/09/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/09/2060		18/09/2067		18/09/2085		19/09/2101		18/09/2120	
18/09/2067		18/09/2085		19/09/2101		18/09/2120		00/00/0000	
मंगल	13/02/2061	राहु	31/05/2070	गुरु	06/11/2087	शनि	21/09/2104	बुध	15/02/2123
राहु	04/03/2062	गुरु	24/10/2072	शनि	19/05/2090	बुध	01/06/2107	केतु	12/02/2124
गुरु	08/02/2063	शनि	31/08/2075	बुध	24/08/2092	केतु	10/07/2108	शुक्र	13/12/2126
शनि	19/03/2064	बुध	19/03/2078	केतु	31/07/2093	शुक्र	10/09/2111	सूर्य	19/10/2127
बुध	16/03/2065	केतु	07/04/2079	शुक्र	31/03/2096	सूर्य	22/08/2112	चंद्र	20/03/2129
केतु	12/08/2065	शुक्र	06/04/2082	सूर्य	17/01/2097	चंद्र	23/03/2114	मंगल	17/03/2130
शुक्र	12/10/2066	सूर्य	01/03/2083	चंद्र	19/05/2098	मंगल	02/05/2115	राहु	03/10/2132
सूर्य	17/02/2067	चंद्र	30/08/2084	मंगल	25/04/2099	राहु	08/03/2118	गुरु	06/03/2133
चंद्र	18/09/2067	मंगल	18/09/2085	राहु	19/09/2101	गुरु	18/09/2120		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 6 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।